



ବସୁଣ୍ଣାଶୀକିହେଷ୍ଟକେତନଃ ହୃଦୟର୍ଦୟପେଷାଙ୍ଗକେଣାଶୁଦ୍ଧିକେଣ ଶୁଦ୍ଧିଷତ୍ତ୍ଵାଦ୍ୟା||

ହୃଦୟର୍ଦୟପେଷାଙ୍ଗକେଣା

ଶ୍ରୀପ୍ରେସ୍ ୨୦୨୯ ଜୁଲାଇ ୫ ପରିକଳ୍ପନା , ପରିପ୍ରେସ୍ ୨୦୩୦ ଜୁଲାଇ ୫ ପରିକଳ୍ପନା ୩୦ ଟଙ୍କା



॥ རྒྱྲླ ཤྣୁ ལྷྲ རྩྰ ལྷྲ རྩྰ ॥
ବସୁଣ୍ଣି ମି ହେ ଶ୍ଵର କେ ଦିନ ଦିନ ଶ୍ଵର ଯେବ ଛାତି କେଣା ଶ୍ଵର କେବ ପର ବରି ଶାନ୍ତି ଶ୍ଵର କେବ ଶ୍ଵର ଶ୍ଵର ଯେବ
ଶ୍ଵର ଯେବ ଛାତି କେଣା

ଶ୍ଵର ଯେବ ୧୦୨୮ ବ୍ରାଂ ଏ ପରିକେଳା , ଯଥ ଶ୍ଵର ଯେବ ୧୦୨୦ ବ୍ରାଂ ଏ ପରିକେଳା ୩୦ କୁଣ୍ଡା ।

ନୀରାତିକଣା

ନୀରାତି

ନୀରାତି , ଯା ନକ୍ଷତ୍ରରେ ନୀରାତିକଣା ନୀରାତିଯୁଧି

ନୀରାତି ୨ ଯା ନୀରାତିଯୁଧିଗର୍ଭର୍ଦ୍ଵାରା ଶର୍କରିବା ହୁଏଥା ବସନ୍ତର୍ତ୍ତୁପରାଦିକର୍ତ୍ତା ନୀରାତିଶତାବ୍ଦୀ

ନୀରାତି ୩ ଯା ବସନ୍ତର୍ତ୍ତୁପରାଦିକର୍ତ୍ତାଶ୍ରୀଦର୍ଶନକର୍ତ୍ତା

ନୀରାତି ୪ ଯା ବସନ୍ତର୍ତ୍ତୁପରାଦିକର୍ତ୍ତାଶ୍ରୀଦଶୀଲପରାଦିକର୍ତ୍ତା

ନୀରାତି ୫ ଯା ଛନ୍ଦାପରାଦିକର୍ତ୍ତାଶ୍ରୀଦଶୀଲପରାଦିକର୍ତ୍ତା

শুরু হৃষ্ণের কণ্ঠে শুনুন শুনুন শুনুন শুনুন শুনুন

ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣଦୁଃଖକଣ୍ଠ ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣମିଶ୍ର ପାତ୍ରମଧ୍ୟ

ଦେଖିବାରୁ କଥାରୀରେ ସ୍ଵର୍ଗରେ ଯତ୍ନରେ ଯତ୍ନରେ ଯତ୍ନରେ ଯତ୍ନରେ

ଦେଖିବା , ଏ କରିବାର ନିର୍ଣ୍ଣାଯାଇବା ନିର୍ଣ୍ଣାଯାଇବା

କରିବା

କୃପାପଦାରୀକିମନ୍ଦରା ଏତେବୁନ୍ଦରା କରିବାରୀ କରିବାରୀ କରିବାରୀ କରିବାରୀ

ନିର୍ଣ୍ଣାଯାଇବା

କୃପାପଦାରୀକିମନ୍ଦରା କରିବାରୀ କରିବାରୀ କରିବାରୀ

ନିର୍ଣ୍ଣାଯାଇବା

୧. କୃପାପଦାରୀକିମନ୍ଦରା କରିବାରୀ

୨. କୃପାପଦାରୀକିମନ୍ଦରା କରିବାରୀ

୩. କୃପାପଦାରୀକିମନ୍ଦରା କରିବାରୀ

୪. କୃପାପଦାରୀକିମନ୍ଦରା କରିବାରୀ

୫. କୃପାପଦାରୀକିମନ୍ଦରା

୬. Digital Drukyul ନିର୍ଣ୍ଣାଯାଇବା

| | | | | | | | |
|-------|------------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|
| | | | | | | | |
| Digit | Drukyul Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit |
| Digit | Drukyul Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit |
| Digit | Drukyul Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit | Digit Digit Digit Digit |

| | | | | | | |
|---|--|---|---------------|---------------|---------------|---------------|
| ५ | द्वावलेसपक्षकुमुक्ति स्त्रीपरिमाणपत्रिः | वापरसपक्षकुमुक्ति स्त्रीपरिमाणपत्रिः | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ |
| ६ | द्वावलेसपक्षकुमुक्ति स्त्रीपरिमाणपत्रिः | वापरसपक्षकुमुक्ति स्त्रीपरिमाणपत्रिः | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ |
| ७ | द्वावलेसपक्षकुमुक्ति स्त्रीपरिमाणपत्रिः | वापरसपक्षकुमुक्ति स्त्रीपरिमाणपत्रिः | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ |
| ८ | द्वावलेसपक्षकुमुक्ति स्त्रीपरिमाणपत्रिः | वापरसपक्षकुमुक्ति स्त्रीपरिमाणपत्रिः | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ | १२५ १०३९६७ |

| त्रैष्वर्णी | वेदान्तिका | वेदान्तिका | वेदान्तिका | वेदान्तिका | वेदान्तिका |
|---|---|--|------------|------------|------------|
| हृष्टाणा १ त्रैदेवदेषाणीं स्मैदेषाऽस्यासुमिद्दिक्षुर्भुवं भूद्येषायुश्चास्त्रेषायुवर्गोन् नी | हृष्टाणीषायुश्चास्त्रेषायुवर्गोन्येष्विति भूषीयका | | वृष्टाणीका | १०० | ३ |
| त्रैद्वयस्त्रावप्यत्तेषाहृष्टाणा स्याप्यत्तेष्वद्युप्युक्षणाशुर्वद्वी | मृद्वयस्त्रायुष्मित्तेषायाश्वन् वर्गा मैद्वेषायाश्वन्यवेष्वा हृष्टाणदेव्युषायुष्मित्तेषायाश्वन् त्वेषायायुष्मित्तेषायाश्वन् दवेष्वा मैद्वयस्त्रायुष्मित्तेषायाश्वन् त्रैद्वयस्त्रावप्यत्तेषाहृष्टाणा स्याप्यत्तेष्वद्युप्युक्षणाशुर्वद्वी | वृष्टाणीकुर्याद्युष्मित्तेषायाश्वन् त्वेषीयुषीत्तेषायाश्वन्येष्विति येष्वा | ८ | ८ | |
| त्रैद्वयस्त्रावप्यत्तेषाहृष्टाणा स्याप्यत्तेष्वद्युप्युक्षणाशुर्वद्वी | हृष्टाणीषायुश्चास्त्रेषायुवर्गोन्येष्विति भूषीयका | | वृष्टाणी | १० | १ |
| त्रैद्वयस्त्रावप्यत्तेषाहृष्टाणा स्याप्यत्तेष्वद्युप्युक्षणाशुर्वद्वी | हृष्टाणीषायुश्चास्त्रेषायुवर्गोन्येष्विति भूषीयका | | वृष्टाणी | १० | १ |
| त्रैद्वयस्त्रावप्यत्तेषाहृष्टाणा स्याप्यत्तेष्वद्युप्युक्षणाशुर्वद्वी | हृष्टाणीषायुश्चास्त्रेषायुवर्गोन्येष्विति भूषीयका | | वृष्टाणी | १० | १ |

| श्री corpus वर्जन्दा | | | | | | | |
|---|---|----------|-----------|--------|--------|--------|--------|
| हृष्टापदिष्टुं पुर्गति निर्विकल्पम् स्तुति | हृष्टपदिष्टुं पुर्गति निर्विकल्पम् तप्तपूर्णपरिषक्ति | पृष्ठका | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| गत्पुर्णस्तुति विश्वामित्रेण पक्षस्तुतुं हृष्टपदिष्टुं पुर्गति स्तुतिस्तुति | हृष्ठपदिष्टुं पुर्गति निर्विकल्पम् तप्तपूर्णपरिषक्ति | शुद्धाला | विवेषभेदा | १० | १० | १० | १० |
| हृष्टापदि Tagset विश्वा- विश्वामित्रेण पक्षस्तुतुं स्तुतिस्तुति | हृष्ठपदिष्टुं पुर्गति Tagset विश्वा- विश्वामित्रेण पक्षस्तुतुं स्तुतिस्तुति | पृष्ठका | विवेषभेदा | १०० | १०० | १०० | १०० |
| हृष्टापदि हृष्टपदिष्टुं पुर्गति निर्विकल्पम् तप्तपूर्णपरिषक्ति स्तुतुं विश्वामित्रेण पक्षस्तुतुं auto-tagging विश्वामित्रेण तप्तपूर्णपरिषक्ति स्तुतुं स्तुतिस्तुति | हृष्ठपदिष्टुं पुर्गति निर्विकल्पम् तप्तपूर्णपरिषक्ति स्तुतुं विश्वामित्रेण पक्षस्तुतुं auto-tagging विश्वामित्रेण तप्तपूर्णपरिषक्ति स्तुतुं स्तुतिस्तुति | शुद्धाला | विवेषभेदा | ५०,००० | ५०,००० | ५०,००० | ५०,००० |
| Digital Drukyul विश्वामित्र विश्वामित्रेण पक्षस्तुतुं स्तुतिस्तुति | विश्वामित्रेण पक्षस्तुतुं पक्षस्तुतुं | पृष्ठका | विवेषभेदा | १०० | १०० | १०० | १०० |

| | |
|--|--|
| ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଉପରେ ଆଶୀର୍ବାଦ କରିବାକାଳୀନ ଏହାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା | ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା |
| ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା | ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା |
| ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା | ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା |
| ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା | ଏହାରେ କିମ୍ବା ଏହାରେ କିମ୍ବା |

ସକର୍ତ୍ତା

एकांकिका
१४ अप्रैल

7/10/19

ପ୍ରକାଶ

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନ

۱۷۸

2/70/3072

ପ୍ରକାଶନକାରୀ

ବିଜ୍ଞାନ ପରିଷଦ

୧୮

କୁଦାରଶନପକ୍ଷେତ୍ରକୁଣ୍ଡଳୀ